❶

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक
आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

समस्त देशवासियों को
विजय दशमी – दशहरा
पर्व की
हार्दिक शुभकानाएँ

वर्ष 41, अंक 51 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 8 अक्तूबर, 2018 से रविवार 14 अक्तूबर, 2018
विक्रमी सम्वत् 2075 सृष्टि सम्वत् 1960853119
दयानन्दाब्द : 195 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2018
25 से 28 अक्टूबर 2018

स्वागत के लिए सज रहा है महर्षि दयानन्द नगर : तैयारियां अन्तिम दौर में

दिल्ली में आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारियां अन्तिम दौर में हैं। देश-विदेश से आने वाले लाखों आर्यजनों के लिए सम्मेलन स्थल – स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै. 10, रोहिणी दिल्ली-110085 में महर्षि दयानन्द नगर निर्माण कार्य जोरों पर है। मुख्य पण्डाल, यज्ञशाला, प्रमुख संगठनों के कार्यालय, पुस्तक बाजार, पार्क, जन सुविधाएं, सड़कें, भोजनालय, आवासीय ब्लाक, मुख्य द्वारा, अतिथि आवास, पूर्ण कालिक यज्ञशाला, गौशाला, आदि सभी सुविधाओं से सुसज्जित महासम्मेलन स्थल में बनने वाला महर्षि दयानन्द नगर आप सभी के स्वागत के लिए सज रहा है। कार्यकर्त्ता दिन-रात लगकर इसके सौन्दर्य को निखारने का कार्य कर रहे हैं। पहले महासम्मेलनों से और अधिक सुन्दर, सुसज्जित, सुविधाओं से परिपूर्ण महर्षि दयानन्द नगर में कई द्वार बनाए गए हैं। महासम्मेलन में सपरिवार ईष्टमित्रों सहित पधारने के लिए आपका निमन्त्रण पत्र इसी अंक में नीचे पूर्ण विवरण, कार्यक्रमों, सुविधाओं, मुख्य आकर्षणों, सम्मेलनों के प्रमुख विषयों, विभिन्न हॉल में होने वाले कार्यक्रमों ही जानकारी, पहुंचने के मार्ग तथा अत्यावश्यक निर्देशों के साथ दिया जा रहा है। सम्मेलन में पधारने वाले प्रत्येक व्यक्ति से सानुरोध प्रार्थना/निवेदन एवं निर्देश है कि किसी भी प्रकार की सुरक्षा सम्बन्धी दिक्कतों से बचने के लिए अपने आधार कार्ड/कोई भी पहचान पत्र की फोटोप्रति एवं मूल प्रति अवश्य ही साथ लेकर आएं। – ***संयोजक***

विश्व शान्ति, राष्ट्र सेवा तथा सामाजिक दायित्वों के निर्वाह के नए संकल्पों के साथ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2018

आर्यसमाज का उद्देश्य संसार का उपकार करना है अर्थात् मनुष्य मात्र की उन्नति करना। किन्तु यह तभी सम्भव है जब प्रत्येक व्यक्ति सत्य को माने, असत्य को त्यागे। परमात्मा की वाणी वेदज्ञान के विरुद्ध प्रचलित - अंधविश्वास से संसार को मुक्त कराने, सत्य सनातन धर्म से जन सामान्य को अवगत करवाने के लिए आर्यसमाज की स्थापना की गई।

सदियों के घोर अंधकार के बाद स्वामी दयानन्द सरस्वती जी ने 'लौटो वेदों की ओर' का नारा देकर हमें एक नई राह दिखाई ताकि मानव, भटकाव से बचकर अपने मूल उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आगे बढ़ सके तथा यह कार्य निरन्तर चलता रहे, इसी उद्देश्य से उन्होंने आर्य समाज की स्थापना की।

आर्य समाज ने अपने स्थापना काल से ही गलत परम्पराओं और रुढ़िवाद के विरुद्ध शंखनाद किया। फलस्वरूप जहां एक ओर आर्यसमाज के संगठन का विस्तार हुआ वहीं अवैदिक परम्परा, कुरीतियों तथा अंधविश्वासों का स्थान तर्कपूर्ण आचरण ने ले लिया। आर्यसमाज एक ऐसी विचारधारा रही है जिसने जब जो समस्या देखी उसके खिलाफ शंखनाद किया व समाज का नेतृत्व किया। इस भावना से सम्बन्ध रखने वाले महानुभाव बड़ी संख्या में उससे स्वत: जुड़ते चले गए।

इसी प्रकार आर्य समाज ने निरन्तर राष्ट्र तथा समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थापना से अब तक विश्व के परिदृश्य में अनेक परिवर्तन आ चुके हैं तथा वे निरन्तर जारी हैं। हमें इन परिवर्तनों के अनुरूप अपने आपको तैयार करके मानव जाति को जोड़ना होगा ताकि हम आने वाली चुनौतियों का सामना संगठित होकर कर सकें। किसी भी संगठन की शक्ति उसके मार्गदर्शक और कार्यकर्ता होते हैं और उनका आदेश पाकर ही हम तदनुरूप कार्य कर सकते हैं। इसी भावना से आर्यसमाज की ओर पूरा समाज देखता रहा। आज आर्यसमाज का विस्तार भारत के बाहर अनेक देशों में हो रहा है। आर्यसमाज की उसके स्थापना काल से बहुत अधिक आवश्यकता वर्तमान में समाज और राष्ट्र को है। इसलिए संगठन को सुदृढ़ बनाने और इसके विस्तार की महती आवश्यकता है। उसी तारतम्य और उद्देश्य को लेकर आर्यसमाज के इतिहास में अनेक महासम्मेलनों का आयोजन हुआ। डरबन, लन्दन, अमेरिका, अजमेर, अलवर, मथुरा, मॉरीशस, मुम्बई, दिल्ली, हरिद्वार आदि में जिनको लोग आज भी स्मरण करते हैं तथा उत्साहित होते हैं। इसी कड़ी में सार्वदेशिक सभा एवं दिल्ली सभा के संयुक्त तत्त्वावधान में इस आर्य महासम्मेलन- 2018 का आह्वान किया गया है ताकि हम आने वाली पीढ़ी के समक्ष आर्य समाज के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य को रख सकें, जिससे युवा पीढ़ी का मार्ग प्रशस्त हो सके और यह नारा हमारे कार्यों में निरन्तर गूंजता रहे ' कृण्वन्तो विश्वमार्यम्'।

आर्य समाज के माध्यम से राष्ट्र एवं समाज की सेवा करने के नए कार्यक्रमों की तैयारी हेतु यह महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक क्षण पर आप सभी का मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद हमें वांछित है, जिससे आने वाले समय में आर्यसमाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जा सके तथा हम प्रत्येक मानव तक यह सन्देश पहुँचा सकें।

आपसे विनम्र प्रार्थना है कि आप 25, 26, 27 एवं 28 अक्टूबर 2018 को दिल्ली में भारी संख्या में पधारकर समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं।

देश और समाज में जो परिवर्तन आते हैं उनके परिणाम समाज के लिए क्या होंगे, मानव समाज के एक जवाबदार संगठन होने के नाते ये देखना भी हमारा ही कार्य है। अन्यथा होने वाली हानि की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। हाल ही में धारा 377 पर दुर्भाग्यवश आया उच्चतम न्यायालय का निर्णय भी आपत्तिजनक व विचारणीय है। चाहे समस्या जनसंख्या के सामाजिक असन्तुलन की हो, चाहे नव विवाहितों में एक बच्चे की बढ़ती प्रवृत्ति हो। हमें इन सब पर विचार करना ही होगा कि आखिर इसका क्या परिणाम होगा। साथ ही जिस प्रकार से अंधाधुंध तरीके से हम पृथ्वी का दोहन कर रहे हैं - कोयला, खनिज, पैट्रोलियम आदि निकाल-निकालकर हम इसे खोखला कर रहे हैं इससे एक ओर हमारी पृथ्वी असन्तुलित हो रही है, तो दूसरी ओर ये सभी तत्त्व जलकर हमारे वायुमंडल का तापमान और प्रदूषण बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। आखिर पृथ्वी इसका बोझ कब तक सह सकेगी ? यह भी हमें ही सोचना है।

ऐसे ही अनेक ज्वलंत मुद्दों पर गहन चिंतन करके समाधान की ओर ले जाने का मंच बनेगा यह अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन। आईए! इन सभी विषयों पर भविष्य के लिए विचार करें ताकि हम एक सुनहरे भविष्य का बेहतर निर्माण करने में सहायक हों।

वेद-स्वाध्याय

आत्मा के दो अजर पक्ष

इमौ ते पक्षावजरौ पतत्रिणौ याभ्याꣳरक्षाꣳस्यपहꣳस्यग्ने। ताभ्यां पतेम सुकृतामु लोकं यत्रऽऋषयो जग्मुः प्रथमजाः पुराणाः।। यजु. 18/52

ऋषि : **शुनः शेपः।।** देवता – **अग्निः।।** छन्दः **विराषीजगती।।**

शब्दार्थ – **अग्ने** = हे अग्ने! **ते** = तेरे **इमौ** = ये **अजरौ** = अजर **पतत्रिणौ** = ऊपर उड़ाने वाले **पक्षौ** = दो पक्ष, दो पंख हैं **याभ्याम्** = जिनसे कि तू **रक्षांसि** = राक्षसों को **अपहंसि** = हटा देता है, मार भगाता है, **ताभ्याम्** = उन्हीं पंखों से उ = ही हम भी **सुकृतां लोकम्** = उस श्रेष्ठ कर्मवालों के लोक को यत्र = जहां **प्रथमजाः** = हमसे पहले पैदा हुए **पुराणाः** = पुराने **ऋषयः** = ज्ञानी लोग **जग्मुः** = पहुंचते रहे हैं **पतेम** = हम भी उड़ें, उन्नत होते हुए पहुंचें।

विनय– हे अग्ने! हे आत्मन्! तू अपने दोनों पक्षों द्वारा सब बाधाओं को हटाता हुआ निरन्तर गति करता जाता है। तुझमें 'शवस्' और 'घृत' की, बल और दीप्ति की, कर्म और ज्ञान की, कार्य और कारण की, स्थूल और सूक्ष्म की व पृथिवी और दिव् की जो दो विभिन्न शक्तियां निहित हैं वे ही तेरे दो अजर पक्ष हैं, कभी जीर्ण न होने वाले तेरे दो पंख हैं, जोकि पतत्रवाले हैं, तुझे ऊपर उड़ाने वाले हैं, उठाने वाले हैं। इनसे तू उड़ता है, सब बाधाओं को दूर करता हुआ उड़ता है, उन्नत होता है। उन्नति को रोके रखनेवाले ही 'रक्षस्' होते हैं। इन सब राक्षसों को, रुकावटों को, विघ्नों और बन्धनों को तू अपने इन दोनों पक्षों की समतोल क्रिया द्वारा और सम्मिलित यत्न द्वारा काटता हुआ चलता जाता है। हे अग्ने! हम भी तेरे इन दिव्य पंखों का सहारा लेकरक उड़ना चाहते हैं। हम अब अपने जीवन में कर्म और ज्ञान की ऐसी समतोलता रखते हुए बढ़ें कि इससे हमारे आगे चलने में कभी कोई रुकावट न पड़े। जब कभी हम किसी एक पार्श्व में कमी या अति करते हैं, अर्थात् ज्ञान में ग्रस्त हो कर्म छोड़ देते हैं या ज्ञान को भूल कर्म में बह जाते हैं, अथवा जब कभी हम इन दोनों को परस्पर सम्बद्ध नहीं रखते, अर्थात् ज्ञान के अनुसार कर्म नहीं करते या कर्म से अगला ज्ञान नहीं प्राप्त करते, तभी रुकावट होती है, तभी राक्षसों की जीत हो जाती है, अतः हे अग्ने! यदि हम तुम्हारे इन दिव्य अजर पतत्री पंखों को पा सकेंगे तभी हम बिना रुकावट उन्नत हो सकेंगे और उस लोक को पहुंच सकेंगे जहां कि उत्तम कर्म और उत्तम ज्ञान अपनी पराकाष्ठा को प्राप्त हुए हैं, उस 'सुकृतां लोक' को, श्रेष्ठ कर्मवाले पुरुषों के लोक को, पहुंच सकेंगे जहां कि पुराने प्रख्यात महाज्ञानी पहुंचते रहे हैं।

–: साभार :– वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

बेकाबू होता सोशल मीडिया

.....असल में सोशल मीडिया के इस विशाल नेटवर्क का इस्तेमाल झूठी खबरों के लिए इस कदर किया जा रहा है जिससे एक बड़ा तबका भ्रमित हो रहा है। ये आसान भी है! क्योंकि गलत नाम और परिचय के साथ सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाया जा सकता है और आपकी मौत की खबर कौन प्रसारित कर रहा है आपको पता तक नहीं चल पाता। यहाँ लोग फेंक न्यूज फैला सकते हैं, फैला रहे हैं, कोई रोकने वाला नहीं है,.....

वह दिन दूर नहीं जब आप सुबह सोकर उठें और आपकी सोशल मीडिया वाल पर लोग आपको श्रद्धांजलि अर्पित करते दिख जायें! यदि आप थोड़े से भी जाने-पहचाने चेहरे हैं तो ये भी हो सकता है भारत के बड़े मीडिया घराने अपनी-अपनी न्यूज वेबसाइटों पर आपकी मौत की खबर प्रसारित कर आपके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते नजर आये। क्योंकि सोशल मीडिया के जरिये आजकल देश में हर कोई पत्रकार बना बैठा है और देश की पत्रकारिता इन्हीं सोशल मीडिया के गैर जिम्मेदार पत्रकारों पर निर्भर दिख रही हैं। एक बार फिर महाशय धर्मपाल जी की मौत की झूठी खबर जिस तरह प्रसारित हुई शायद मेरे कथन की पुष्टि करने के लिए काफी होगी।

आखिर इस खबर से रूबरू कौन नहीं हुआ होगा! जब दो दिन पहले सोशल मीडिया के किसी स्वघोषित पत्रकार ने विश्व प्रसिद्ध मसाला कंपनी एमडीएच के मालिक महाशय धर्मपाल गुलाटी जी के निधन की झूठी खबर प्रसारित कर दी थी। जिसके बाद बिना जाँच परख किये, बिना पुष्टि और विश्वसनीयता जांचे, देश के तमाम न्यूज पोर्टलों ने ये खबर अपने पोर्टलों पर प्रसारित की. जबकि शनिवार को जिस समय इस झूठी खबर को फैलाया जा रहा उस समय महाशय जी देश के गृहमंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर उन्हें इस वर्ष-2018 अक्टूबर माह में दिल्ली में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के लिए निमंत्रण पत्र दे रहे थे। किन्तु सोशल मीडिया पर स्वघोषित पत्रकार बने लोग महाशय धर्मपाल जी को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे थे।

हालाँकि उनके निधन की झूठी खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद परिवार की तरफ एक वीडियो जारी कर इस खबर को गलत साबित किया गया। इस बात की पुष्टि के लिए दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य ने महाशय जी के साथ बैठकर एक वीडियो जारी किया गया है कि जिसमें महाशय जी एकदम साफ संदेश देते हुए कह रहे हैं कि वे एकदम स्वस्थ्य हैं।

सोशल मीडिया पर फर्जीवाड़े का शिकार होने की यह कोई पहली घटना नहीं है गत वर्ष हिंदी फिल्म सिनेमा के सुप्रसिद्ध अभिनेता अमिताभ बच्चन की मौत की खबर भी इसी तरीके से फैलाई गयी थी। देश के गृहमंत्री राजनाथ सिंह भी इसका शिकार हो चुके हैं। जब आतंकी संगठन हाफिज सईद के ट्विटर अकाउंट से जेएनयू छात्रों के समर्थन में जारी ट्वीट पर गृहमंत्री के ट्वीट करने से विवाद हो गया था।

यानि जो सोशल मीडिया एक समय सभी के लिए सूचना हासिल करने और साझा करने का पसंदीदा तंत्र था आज वह झूठ की एक बड़ी दुकान बनता जा रहा है। इसे कुछ ऐसे समझिये कि एक चाकू जो सुविधा की जरूरत से फल-सब्जी काटने के लिए बना था कुछ लोग उससे गले पर रेत रहे हैं।

असल में सोशल मीडिया के इस विशाल नेटवर्क का इस्तेमाल झूठी खबरों के लिए इस कदर किया जा रहा है जिससे एक बड़ा तबका भ्रमित हो रहा है। ये आसान भी है! क्योंकि गलत नाम और परिचय के साथ सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाया जा सकता है और आपकी मौत की खबर कौन प्रसारित कर रहा है आपको पता तक नहीं चल पाता। यहाँ लोग फेंक न्यूज फैला सकते हैं, फैला रहे हैं, कोई रोकने वाला नहीं है, इसी का नतीजा है जिस तरह घरों में बच्चों को बताना होता है कि अनजान आदमी से कुछ लेकर नहीं खाना चाहिए वैसे ही लोगों को बताना पड़ रहा है कि सोशल मीडिया पर आँख मूँदकर विश्वास मत करो। कारण इसी सोशल मीडिया के जरिये पिछले कुछ समय में बच्चे चोरी होने की अफवाह के कारण देश के अलग-अलग राज्यों में लगभग तीस से ज्यादा लोग भीड़ द्वारा मारे जा चुके हैं।

आंकड़ों के मुताबिक, भारत में लगभग 20 करोड़ फेसबुक यूजर्स हैं और पांच करोड़ से ज्यादा ट्विटर यूजर्स हैं। यानि ऐसा कोई भी वीडियो, फोटो या झूठ कुछ मिनटों में इन माध्यम से दुनियाभर में फैलाया जा सकता है। कुछ समय पहले एक पोस्ट तेजी से वायरल हुई थी जिसमें आर.एस.एस. के कार्यकर्ताओं को ब्रिटेन की महारानी को गार्ड ऑफ ऑनर देते दिखाया गया था। जबकि इसे फोटोशॉप के जरिए मॉर्फ करके बनाया गया था। किन्तु ये फोटो इतनी तेजी वायरल हुई है कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता तक ने इसे अपनी वाल पर पोस्ट किया था।

हालाँकि असत्य और सत्य की लड़ाई दुनिया में काफी पहले से है किन्तु वर्तमान में असत्य इतना संगठित पहले कभी नहीं रहा जितना अब हो रहा हैं और देखा जाये तो इस असत्य से कोई नहीं बच रहा है। महात्मा गांधी की एक फोटो जिसमें वह विदेशी महिला के साथ नजर आते हैं, जबकि वास्तविक फोटो में महिला की जगह जवाहर लाल नेहरू हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद मोदी जी की फोटो जिसमें वह लालकृष्ण आडवाणी के पांव छू रहे थे, जिसमें बदलाव कर श्री आडवाणी के स्थान पर अकबरुद्दीन ओवैसी का चेहरा लगा दिया गया यानि भ्रामक जानकारियाँ, बड़ी तादात में पैदा की जा रही है, और बांटी जा रही है. क्या सच है और क्या झूठ, ये जानना-समझना अब सचमुच बड़ा प्रश्न बन चूका है। कौनसी खबर पर विश्वास करें कौन सी पर नहीं यह बहुत जरूरी प्रश्न आज हमारे सामने मुंह खोले खड़ा है।

इससे कुछ हद तक बचा जा सकता है किन्तु बचने में सबसे पहले देश के बड़े मीडिया संस्थानों को इसमें आगे आना होगा उन्हें जिम्मेदारी के साथ अपनी वेबसाइटों पर न्यूज अपलोड करने वालों को हिदायत देनी होगी कि सबसे पहले खबर प्रसारित करना अच्छी बात है। किन्तु खबर के स्रोत उसकी तथ्यात्मक जानकारी के साथ हो, वह पुष्टी के साथ हो। ताकि बाद में शर्मिंदा न होना पड़े। क्योंकि यदि समय रहते इस पर सावधानी नहीं बरती गयी, निगरानी नहीं रखी गई तो हालात बेकाबू हो सकते हैं। क्योंकि हर कोई चुटकुले या हंसी मजाक का वीडियो तो पोस्ट नहीं कर रहा है। अनेकों लोग झूठ भी परोस रहे हैं। जिनका शिकार सिर्फ हम और आप नहीं बल्कि महाशय धर्मपाल से लेकर रतन टाटा और देश के गृहमंत्री से लेकर स्वयं देश के प्रधानमंत्री तक बन चुके हैं।

–सम्पादक

ओ३म्

भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण (द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)

सत्य के प्रचारार्थ

सत्यार्थ प्रकाश

सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन

कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
25, 26, 27, 28 अक्टूबर 2018

सम्मेलन स्थल :- **स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली-85**

विश्व शान्ति यज्ञ, योग व तपोनिष्ठ संन्यासियों, वैदिक विद्वानों द्वारा सत्संग तथा प्रवचन का लाभ उठाने हेतु लाखों की संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 दूरभाष : 9540029044

E-mail : aryasabha@yahoo.com, Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org

YouTube : thearyasamaj 9540045898

क्यों आएं आप आर्य महासम्मेलन में?

.....यह तो ठीक है कि सम्मेलन की तैयारी भी हो रही है, लोगों के आने की भी सूचना है, ऐसे में आपके मन में एक प्रश्न उपस्थित हो रहा होगा कि आखिर इन सम्मेलनों का लाभ क्या है? क्यों इतना काम किया जाता है? .....

आर्य समाज के सर्वोदय संगठन सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा 25 से 28 अक्टूबर 2018 को दिल्ली के स्वर्ण जयन्ती पार्क रोहिणी में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसकी गत वर्ष से ही तैयारी की जा रही है। भारत के कोने-कोने में जहां भी आर्य समाज की छोटी सी भी इकाई है वहां तक उत्साह की लहर है। भारत के बाहर भी अनेक देशों के आर्यजन इस सम्मेलन में आने का कार्यक्रम बनाकर आयोजकों को सूचित कर चुके हैं। लाखों आर्यजनों के सम्मिलित होने की सूचना है। यह तो ठीक है कि सम्मेलन की तैयारी भी हो रही है, लोगों के आने की भी सूचना है, ऐसे में आपके मन में एक प्रश्न उपस्थित हो रहा होगा कि आखिर इन सम्मेलनों का लाभ क्या है? क्यों इतना काम किया जाता है? संस्था के पदाधिकारियों द्वारा प्रत्येक देश, राज्य, नगर में जाकर इसका प्रचार किया जाता है, धन संग्रह करते हैं, विद्वानों, संन्यासियों, उपदेशकों, गुरुकुलों के संचालकों व आचार्यों के साथ-साथ राजनेताओं को बुलाया जाता है। इन सबके अतिरिक्त हम जैसे आर्यजन अपने काम पर कहां जाते है आदि-आदि।

आर्य समाज एक सुधारवादी संस्था और संगठन है, जो 1875 से निरन्तर समाज की कुप्रथाओं, धर्म की अवैदिक मान्यताओं, शिक्षा की अपूर्ण विधियों, संस्कृति के दोषों और व्यक्तिगत जीवन के दुर्गुण-दुव्यवस्थाओं को दूर करने का संकल्प लेकर कार्य कर रहा है। इस संस्था के गौरवशाली इतिहास से हम सभी परिचित है। समय के साथ-साथ चुनौतियां बदलती रहती हैं। कभी आर्य समाज के सन्मुख सती-प्रथा, बाल विवाह, स्त्री-शिक्षा का न होना, विधवा विवाह न होना एवं भारत की पराधीनता जैसी समस्या थीं, जिनके समाधान के लिए पूरी शक्ति से कार्य किया और उन कुरीतियों का उन्मूलन भी हुआ। आर्य समाज के विद्वान् संन्यासियों व उपदेशकों ने ऋषि की मुख्य योजना, वेदों की सार्वभौमिकता, सार्वकालिकता व सार्वजनिकता को सिद्ध करने का भी प्रमुख कार्य किया। प्रचुर साहित्य वेद सम्मत लिखा। वेद की प्रतिष्ठता के लिए पौराणिकों, जैन-बौद्ध, इस्लाम-ईसाई मत के बड़े-बड़े मठाधीशों से लाभार्थ हुए ग्रंथ लिखे गये और साथ ही बड़े-बड़े सम्मेलन करके भी आर्य समाज की शक्ति का अह्वान कराते रहे। जिनमें ऋषि जन्म शताब्दी 1924 ई. में, सत्यार्थ प्रकाश शताब्दी, आर्य समाज स्थापना शताब्दी, ऋषि निर्वाण शताब्दी आदि प्रमुख है। मध्य में जब संगठन कुछ शिथिल हुआ तो पुनः अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2006 में दिल्ली में आयोजित हुआ जिसमें भारत के अतिरिक्त अनेक देशों का प्रतिनिधित्व रहा और निर्णय किया गया कि प्रतिवर्ष अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन आयोजित किए जाएं। भारत के बाहर 5 वर्ष तक अलग-अलग राष्ट्रों में सम्मेलन होंगे और छटे वर्ष भारत में होगा। इसका लाभ यह होगा कि जिस देश में यह सम्मेलन होगा उस देश की आर्य समाजें सक्रिय होंगी उनकी उर्जा का परिचय होगा वहां की सुंदर प्रायः इकाइयां भी जाग्रत होंगी।

अब प्रश्न उठता है कि इन सम्मेलनों का संगठन को कितना लाभ होता है? इसका उत्तर सकारात्मक दृष्टि से विचार करने पर बिन्दुवाद प्रस्तुत करना उचित है-

1.जब कोई छोटी इकाई अपने क्षेत्र में कार्य करती है तो उसके कार्यों में कई बार निराशा उत्पन्न करने वाले लोग सम्मिलित हो जाते हैं और कहते हैं अब आर्य समाज कहां सक्रिय है यह तो मृतप्राय संस्था है, इसके लोग तो केवल उंगलियों पर गिनने लायक है तो ऐसी इकाई को जब इन बड़े सम्मेलनों में आने का अवसर मिलता है तो पता चलता है कि आर्य समाज वर्तमान में भी एक वटवृक्ष के समान है। अनेक संस्थाएं, अनेक गुरुकुल, अनेक विद्यालय, अनेक लेखाप्रकल्प कार्य कर रहे हैं।

2.आर्य समाज क्योंकि वैचारिक आन्दोलन है इसलिए प्रत्येक इकाई में विचार के प्रचार का कार्यक्रम संमलित होना अनिवार्य है जिसके लिए विद्वान, उपदेशक, भजनोपदेशक व प्रचारकों की महती आवश्यकता होती है। प्रत्येक इकाई में अन्य महासम्मेलनों के विचारों का टकराव होना भी स्वाभाविक है, ऐसी स्थिति में जब वे आर्यजन सम्मेलन में आते हैं तो अनेक विद्वान, उपदेशकों के विचारों का श्रवण करने से तर्क शक्ति सुदृढ़ होती है। सम्मेलन स्थल पर मुख्य मंच के अतिरिक्त अनेक समानान्तर सत्र चलते हैं जिनमें शंका समाधान, वेदगोष्ठी प्रमुख है। जहां आर्य जगत के उच्चकोटि के विद्वान संन्यासी, विचारक एक साथ मिल जाते हैं उनकी तर्कता से साक्षात् होता है, सनिध्य मिलता है।

3. प्रायः आर्य समाजों में वही वृद्ध आर्यजन ही उपस्थित रहते हैं तो ऐसा लगता है कि आर्य समाज में पुनःशक्ति है ही नहीं, परन्तु जब सम्मेलन में देशभर से आए हुए हजारों आर्यवीर व आर्य वीरांगनाएं व्यवस्थित रूप से सम्मेलन की व्यवस्थाएं सम्भाल रहे होते हैं जो विधिवत् प्रशिक्षित होते हैं। वे बौद्धिक व शारीरिक

- शेष पृष्ठ 8 पर

आर्यसमाज द्वारा विश्व कल्याणार्थ विशिष्ट योजनाओं का लोकार्पण

बाल साहित्य से वैदिक मन्तव्यों का प्रचार
वेद एवं सत्यार्थ प्रकाश का ऑडियो सीडी (हिन्दी-अंग्रेजी)
शिक्षाप्रद एनिमेशन फिल्मों का लोकार्पण
आर्य समाज की सोशल मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) परियोजना
प्रोजेक्ट - शिक्षा संस्कार (भारत के आदिवासी क्षेत्रों में) : शिक्षा क्रान्ति अभियान
आर्य प्रतिभा विकास महाशय धर्मपाल संस्थान
सहयोग परियोजना
अन्तर्राष्ट्रीय आर्य समाज शोध एवं प्रशिक्षण केन्द्र
आर्य समाज मीडिया सेन्टर
विचार टीवी द्वारा नए वृत्तचित्रों का लोकार्पण
वैदिक प्रचारक प्रकल्प
अनेक नए उपयोगी ग्रन्थों का लोकार्पण
घर-घर यज्ञ हर घर यज्ञ

महासम्मेलन में आमन्त्रित देश

अमेरिका	जर्मनी	बंग्लादेश	सूरीनाम
म्यांमा (बर्मा)	कनाड़ा	गयाना	बैल्जियम
फिजी	ब्रिटेन	हॉलैंड	तंजानिया
मॉरीशस	जमाइका	कीनिया	त्रिनिडाड
दक्षिण अफ्रीका	मलेशिया	न्यूजीलैंड	पाकिस्तान
नेपाल	चैक गणराज्य	भूटान	युगांडा
जापान	आर्मिनिया	सिंगापुर	दुबई
फ्रांस	ऑस्ट्रेलिया	थाईलैंड	वैस्टइंडिज

विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

1.	1927 ई0	दिल्ली	12. 1973 ई0	मॉरीशस	23. 2008 ई0 मॉरीशस
2.	1931 ई0	बरेली	13. 1978 ई0	नैरोबी (केन्या)	24. 2009 ई0 सूरीनाम
3.	1933 ई0	अजमेर	14. 1980 ई0	लन्दन	25. 2010 ई0 नीदरलैंड
4.	1938 ई0	शोलापुर	15. 1982 ई0	द. अफ्रीका (डरबन)	26. 2012 ई0 दिल्ली
5.	1944 ई0	दिल्ली	16. 1990 ई0	दिल्ली	27. 2013 ई0 दक्षिण अफ्रीका
6.	1948 ई0	कलकत्ता	17. 1994 ई0	दिल्ली	28. 2014 ई0 सिंगापुर-थाईलैंड
7.	1951 ई0	मेरठ	18. 1997 ई0	दिल्ली	29. 2015 ई0 आस्ट्रेलिया
8.	1954 ई0	हैदराबाद	19. 2000 ई0	बम्बई	30. 2016 ई0 नेपाल
9.	1961 ई0	दिल्ली	20. 2002 ई0	हरिद्वार	31. 2017 ई0 म्यांमार (बर्मा)
10.	1968 ई0	हैदराबाद	21. 2006 ई0	दिल्ली	32. 2018 ई0 दिल्ली
11.	1972 ई0	अलवर	22. 2007 ई0	शिकागो (अमेरिका)	

सम्मेलन में विचारणीय कुछ मुख्य विषय

- संस्कारित परिवार - समाज निर्माण
- जनसंख्या का सामाजिक/वैचारिक असंतुलन-एक नए खतरे का संकेत
- आर्ष गुरुकुलों की स्थिति पर चिन्तन
- आर्य जाति का विभाजन - राजनीति का शिकार
- मानव निर्माण का आधार
- मानव की आवश्यकता - अध्यात्म एवम् योग
- विश्व स्तर पर असंतुलित लिंग अनुपात
- बदलते सामाजिक एवं नैतिक मूल्य-समाधान क्या और कैसे?
- निरन्तर बढ़ता प्रदूषण - मानव जाति के लिए चुनौती- यज्ञ एवं सौर ऊर्जा सर्वोत्तम समाधान
- शिक्षा - केवल रोजगार या मानव उन्नति का साधन
- बढ़ती नशा प्रवृत्ति - जिम्मेदारी कानून की या समाज की
- अंधविश्वासों का बढ़ता विश्वव्यापी व्यापार - निराकरण हेतु हमारी भूमिका : जनचेतना
- धार्मिक भ्रष्टाचार निरोधक कानून ही उपाय
- गोरक्षा, आयुर्वेद, धर्मान्तरण, तुष्टीकरण
- जातिभेद की बढ़ती दीवारें - समाज, संस्कृति व राष्ट्र के लिए घातक
- वैदिक वर्ण व्यवस्था -वास्तविक मनुवाद
- आर्यसमाज - नए युग में प्रवेश - दृष्टि २०२४-२०२५
- सोशल नेटवर्किंग - समाज में बदलाव-सुधार या बिखराव
- मानव सम्बन्ध - न्यायालयीय आदेश/निर्देश - स्वीकार्यता
- घर-घर पहुंचाएं वेद सन्देश - छूटे न विश्व का कोई देश
- एकाकी संतान - बच्चे तथा परिवार के विकास के लिए घातक
- दूषित अन्न - स्वास्थ्य का शत्रु - जीरो बजट खेती-एक समाधान
- एक मंदिर एक शमशान-तभी होगा भारत महान
- आर्यसमाज की भावी कार्य पद्धति व योजना
- संकल्प सत्र एवं आओ करें, कल की बातें
- हिन्दी व संस्कृत की वर्तमान स्थिति पर चिन्तन

ओ३म्

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में

भारत की राजधानी दिल्ली में विशाल स्तर पर आर्यों का महाकुंभ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2018

25 से 28 अक्टूबर 2018

तदनुसार कार्तिक कृष्ण १,२,३,४ संवत् २०७५

सम्मेलन स्थल

स्वर्ण जंयती पार्क (जापानी पार्क), रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली

विस्तृत कार्यक्रम

उदघाट्न

25 अक्टूबर 2018 प्रातः 10.30 बजे

इस ऐतिहासिक महासम्मेलन में लाखों की संख्या में भाग लेकर आर्यसमाज के सगंठन एवम् भविष्य को सुदृढ़ बनाएं

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, १५ हनुमान रोड, नई दिल्ली-१
दूरभाष : 23360150, 23365959, 9540029044
E-mail : aryasabha@yahoo.com
Website : www.aryamahasammelan.org ; www.thearyasamaj.org

आर्यवीर सम्मेलन

सायं 7:00 बजे से 9:00 बजे

राष्ट्र और आर्यसमाज का उज्ज्वल भविष्य : आर्य वीर दल

1 युवा कार्यकर्ता निर्माण 2 वर्तमान चुनौतियां एवं आर्य वीर दल
3 आर्य वीर एवं सेवा कार्य 4 आर्य वीरांगनाओं का दायित्व
5 आर्य वीर दल की प्रचार योजना: समायोजन एवं कार्यक्रम
6 आर्य वीर दल का गौरवशाली इतिहास
7 आर्यवीर दल - आर्यसमाज की सशक्त भुजा

भजन एवं गीत संध्या

रात्रि 9:00 से 11:00 बजे

आर्यसमाज के युवा संगीतज्ञों द्वारा आकर्षक प्रस्तुति
महर्षि दयानन्द सरस्वती, आर्यसमाज, प्रेरणा, ईश्वर भक्ति एवं शान्ति गीत

आर्य संगीत सम्मेलन

आर्यसमाज के युवा संगीतज्ञों द्वारा आकर्षक प्रस्तुति
विषय: महर्षि दयानन्द सरस्वती, आर्यसमाज, प्रेरणा, ईश्वर भक्ति एवं शान्ति गीत।

शुक्रवार, दिनांक 26 अक्टूबर, 2018

निरन्तर क्रियाशील आर्यसमाज

प्रातः 10:30 बजे से प्रात:11:30 बजे

आर्यसमाज की उन्नति, विस्तार, आधुनिकीकरण और भविष्य की चुनौतियों एवं आवश्यकताओं को देखते हुए चलाई गई नई योजनाओं का परिचय

संस्कृति एवं सामाजिक संचेतना सम्मेलन

सामाजिक एवं पारिवारिक व्यवस्थाओं के बिगड़ते ताने-बाने के विषय में चिन्तन

प्रातः 11:30 से दोपहर 1:30 बजे

1 अपसंस्कृति का विस्तार-विलुप्त होते वैदिक संस्कार
प्रेरणा : अपनी सन्तानों में डालें शुभ संस्कारों के बीज (मदर्स-डे/फादर्स-डे - वर्ष में केवल एक दिन के लिए नहीं।)
2 जातिवाद - मानवता पर कलंक (समग्र हिन्दू समाज के चिन्तन का विषय)
प्रेरणा : वैदिक वर्ण व्यवस्था में जातिवाद के अभिशाप से बचने के लिए कर्म आधारित वर्ण व्यवस्था अपनाएं।
3 दिशाहीन सोशल मीडिया समाज व राष्ट्र के लिए घातक
प्रेरणा : युवाओं को अपभ्रंश सोशल मीडिया दूर रखने की आवश्यकता ।
4 बिना सन्तान अथवा एकाकी सन्तान से परिवार की संकल्पना - समाज व राष्ट्र के लिए घातक
प्रेरणा : समृद्ध एवं मजबूत परिवार का निर्माण करें।
5 संस्कृति का आधार - संस्कृत भाषा
प्रेरणा : संस्कृति को जानने के लिए संस्कृत के पठन-पाठन की योजना प्रत्येक आर्यसमाज अपनाए।

गुरुवार, दिनांक 25 अक्टूबर, 2018

ओ३म् ध्वजारोहण : प्रातः 10:15 बजे
संकल्प : ओ३म् ध्वजा फहरे घर-घर पर

मुख्य पण्डाल

उद्घाटन समारोह

प्रातः 10:30 बजे से 1:30 बजे

मानव उत्थान एवं विश्व शान्ति के लिए समर्पित सतत् आन्दोलन - आर्यसमाज

1 मानवीय मूल्यों का प्रेरक - आर्यसमाज
2 आर्यसमाज की स्थापना : नए युग का आरम्भ
3 आज के जीवन में आर्यसमाज की प्रासंगिकता
4 आर्यसमाज का गौरवशाली इतिहास - क्रान्तिकारी परिवर्तन एवं प्रेरणा

वेद सम्मेलन

दोपहर 2:00 बजे से 4:00 बजे तक

विश्वशान्ति एवं मानव निर्माण का एकमात्र मार्ग - वेद

1 मानवीय सम्बन्ध और वेद (धारा 377 की समाप्ति - आखिर ये सन्देश किसके लिए?)
प्रेरणा : ईश्वर प्रदत्त प्राकृतिक नियमों तथा मानवोचित व्यवहार का आधार वेद ।
2 वेद वाणी को जन वाणी बनाया महर्षि दयानन्द ने (धन्य है तुमको हे ऋषि)
प्रेरणा : वेद किसी काल, वर्ग व स्थान विशेष के लिए नहीं अपितु सार्वभौमिक, सार्वकालिक व सार्वजनीन है।
3 वेद और विज्ञान
प्रेरणा : समस्त भौतिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान-विज्ञान का आधार है वेद।
4 वैश्विक आतंकवाद का समाधान - केवल वेद के द्वारा
प्रेरणा : मनुर्भव का सन्देश देते हुए सम्पूर्ण मानवजाति के कल्याण व सुख-शान्ति का आधार है वेद।
ले चलें शिखर की ओर 'लघु नाटिका'

अन्ध विश्वास निवारण सम्मेलन

सायं 4:30 बजे से 7:00 बजे

आर्यसमाज के कार्यकर्ता बनें - अंधविश्वासों के खिलाफ आवाज बुलन्द करें

1 अंधविश्वास से अपार हानियाँ-ऐतिहासिक परिपेक्ष में।
प्रेरणा : पाप क्षमा की भ्रान्ति फैलाने वाले पूजापाठ से मुक्त कराएँ समाज को।
2 वर्तमान में बढ़ रहे अन्धविश्वास के निवारण में आर्य समाज का दायित्व।
प्रेरणा : धर्म के नाम पर होने वाले व्यापार का विरोध योजनाबद्ध रूप से करके जनता को गुमराह होने से बचाएं
3 धार्मिक भ्रष्टाचार-निरोधक कानून की आवश्यकता।
प्रेरणा : आर्यसमाज के कार्यकर्ता बनें - अन्धविश्वासों के खिलाफ आवाज बुलन्द करें

आर्य महिला सम्मेलन

परिवारों के बदलते परिवेश एवं नारी की विशिष्ट भूमिका को लेकर विस्तार से चिन्तन

दोपहर 2:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक

1 आर्यसमाज के विस्तार में नारी की अहम् भूमिका
प्रेरणा : स्त्री विमर्श के नाम पर नर-नारी के मध्य खाई न बढ़ने दें ।
2 नारी सम्मान के क्षेत्र में आर्यसमाज की महत्त्वपूर्ण भूमिका
प्रेरणा : एक आन्दोलन के रूप में करना होगा भ्रूण हत्या का विरोध ।
3 हाउस वाईफ नहीं होममेकर है नारी (गृहिणी गृहमुच्यते)
प्रेरणा : महिलाओं को दें पूर्ण सम्मान - नारी ही है परिवार निर्माण का आधार ।
4 परिवार, समाज व राष्ट्रोत्थान की धुरी नारी
प्रेरणा : महर्षि दयानन्द द्वारा बताए मार्ग से नारी उत्थान के कार्यों को आगे बढ़ाएं।
5 दो पाटों के बीच पिसती आज की नारी
प्रेरणा : नारी अबला नहीं योद्धा है-हर परिस्थिति में सक्षम नारी ।
6 वैदिक पारिवारिक व्यवस्था को ध्वस्त करने के गम्भीर षड्यंत्र (लिव - इन - रिलेशनशिप, समलैंगिकता को स्वीकृति, एकांकी सन्तान की प्रवृत्ति तथा बढ़ते हुए तलाक)
प्रेरणा : वर्तमान जीवन शैली में परिवर्तन लाकर परिवार के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएं ।

विश्वशान्ति एवं मानव कल्याण एकता महायज्ञ

(हजारों यज्ञ प्रशिक्षित याज्ञिकों द्वारा)

घर-घर यज्ञ - हर घर यज्ञ

(कार्यक्रम का प्रसारण मुख्य पण्डाल में स्क्रीन पर किया जाएगा।)

सायं 4:00 से 6:00 बजे

1 यज्ञ से सम्बन्धित वैज्ञानिक शोध परिणामों प्रदर्शन 2 आर्यसमाज की शोध टीम का परिचय
3 यज्ञ द्वारा विशिष्ट सूर्य विज्ञान प्रदर्शन 4 महाशय धर्मपाल जी यज्ञ का सन्देश - बच्चों के नाम

लघु नाटिका

सायं 6:00 बजे

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के जीवन के अन्तिम दृश्य पर आधारित लघु नाटिका

महर्षि दयानन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

महर्षि दयानन्द जी के उत्तमतम व्यक्तित्व को और निकटता से देखें और अपने जीवन का उद्देश्य निर्धारित करें

सायं 7:00 से रात्रि 9:00 बजे

1 महर्षि दयानन्द के स्वप्न एवं हमारे कर्त्तव्य तथा दायित्व
प्रेरणा : महर्षि दयानन्द के मिशन से जुड़कर स्वयं के जीवन का निर्माण करें एवं अन्यों को आर्य बनाने का संकल्प लें।
2 महर्षि जी की कालजयी कृति - सत्यार्थ प्रकाश
प्रेरणा : व्यक्तिगत जीवन प्रबन्धन, समाज प्रबन्धन एवं राष्ट्र निर्माण के सूत्रों का ज्ञान व प्रचार-प्रसार।
3 महर्षि दयानन्द द्वारा प्रदत्त मानव कल्याण के स्वर्णिम सूत्र (आर्यसमाज के दस नियम)
प्रेरणा : मानवमात्र के सर्वांगीण विकास के आधार हैं ये दस नियम।
4 महर्षि दयानन्द और मनुस्मृति
प्रेरणा : मानव समाज के प्रथम संविधान मनुस्मृति को महर्षि ने पूर्ण प्रामाणिकता दी।

विराट कवि सम्मेलन

राष्ट्र एवं मानव जाति के समक्ष उपस्थित समस्याओं का काव्यमय चिन्तन एवं आह्वान

रात्रि 9:00 बजे से

शनिवार, दिनांक 27 अक्टूबर, 2018

राष्ट्र चिन्तन सम्मेलन

राष्ट्र की वैदिक अवधारणा

प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे

राष्ट्र एवं विश्व के समक्ष उपस्थित जन समस्याओं की चर्चा एवं समाधान

1 धर्मान्तरण : संस्कृति एवं राष्ट्र को विघटित करने का विश्वव्यापी षड़यन्त्र

प्रेरणा : परिवारों में धर्म, दर्शन एवं संस्कृति की शिक्षा द्वारा सनातन धर्म की महत्ता को प्रतिपादित किया जाए।

2 एकत्व ही श्रेयस्कर (एक देश, एक संविधान, एक समान नागरिक संहिता)

प्रेरणा : राष्ट्र के संसाधनों एवं सुविधाओं का लाभ सभी नागरिकों को समान रूप से प्राप्त हो तथा सभी के लिए न्याय एवं दंड विधान समान हो।

3 जनसंख्या के सामाजिक असंतुलन के विस्फोटक परिणाम।

प्रेरणा : जनसंख्या वृद्धि राष्ट्र के लिए घातक है-जनसंख्या नियन्त्रण का कानून सभी के लिए समानरूप से लागू हो।

4 भारत व भारतीयता को नष्ट करने के प्रयास में अराष्ट्रीय तत्व।

प्रेरणा : आतंकवादियों और राष्ट्रविरोधी तत्त्वों को दिया जाने वाला समर्थन व सहयोग राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में लाया जाए।

विश्व आर्यसमाज सम्मेलन

विश्वपटल पर आर्यसमाज

''कृण्वन्तो विश्वमार्यम्'' - लक्ष्य - बढ़ते कदम

दोपहर 1:30 बजे से सायं 4:00 बजे

समस्त विश्व से पधारे आर्यजनों को उद्बोधन

1 वेद की सार्वभौमिक शिक्षाएं ही विश्व शान्ति एवं सौहार्द का एक मात्र आधार

प्रेरणा : विश्व के समस्त देशों में वेद का सन्देश पहुँचाने का संकल्प लें।

2 विश्व के अन्य देशों के राष्ट्रीय उत्थान में आर्यसमाज की भूमिका।

प्रेरणा : अन्य देशों में आर्यसमाज को पहुँचाने की योजना बनाकर 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' के स्वप्न को साकार करें। विश्व की समस्त आर्यसमाजों की गतिविधियों से परिचित होकर परस्पर कार्य करें।

3 ऊर्जा के गहराते वैश्विक संकट में वेदों की उपादेयता

प्रेरणा : ऊर्जा के वैश्विक संकट का निदान वेदों में वर्णित ऊर्जा के स्रोतों के माध्यम से ही सम्भव।

रविवार, दिनांक 28 अक्टूबर, 2018

संकल्प सत्र : प्रात: 10:00 से 11:00 बजे

आओ संकल्प लें

सम्मेलन हम सब में आगे कार्य करने की प्रेरणा का संचार करें

- समाज की उन्नति का
- वेद (ज्ञान) के प्रचार का
- स्वयं के उत्थान का
- राष्ट्र के उत्थान का
- संगठन की उन्नति का
- ऋषिग्रन्थों के स्वाध्याय का

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन समापन सत्र

प्रात: 11:00 से दोपहर 2:30 बजे

महर्षि दयानन्द जी के जन्म के 200 वर्ष (2024)
एवं आर्यसमाज की स्थापना के 150 वर्ष (2025) के लक्ष्य
को लेकर भविष्य की पूर्ण रूपरेखा की प्रस्तुति एवं
आर्यसमाज के संगठन के प्रमुख कार्यकर्त्ताओं द्वारा संकल्प की अभिव्यक्ति एवं सम्मान

1 नवजागरण के पुरोधा - ऋषि दयानन्द का चिन्तन - हमारी शक्ति का प्रेरणा पुँज

प्रेरणा : महर्षि दयानन्द के आदर्शों का करें अनिवार्य रूप से पालन।

2 वैदिक सिद्धान्तों की दृढ़ता : जीवन निर्माण का उपाय

प्रेरणा : वैदिक सिद्धान्तों का दृढ़ता के साथ पालन करें।

3 वैदिक धर्म का संरक्षक - आर्य समाज

प्रेरणा : वैदिक धर्म को विश्व व्यापक बनाने के लिए आर्यसमाज को मजबूत करें।

4 व्यक्तिगत जीवन के उच्च मापदण्डों का प्रेरक - आर्यसमाज

प्रेरणा : आर्यसमाज के जीवन मूल्यों को जीवन में अपनाएं।

5 राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में आवश्यक प्रस्ताव

प्रेरणा : संकल्प हो आर्यजनों का - विश्व व्यापक हो ज्ञान वेद का।

6 आर्यसमाज के भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा

प्रेरणा : आर्यशक्ति हो उत्साहित - बने अग्रणी आर्यसमाज।

धन्यवाद प्रस्ताव

आर्य परिवार सम्मेलन

आर्यसमाज को मजबूत करेंगे आर्य परिवार

सायं 4:30 बजे से 6:00 बजे तक

1 आर्य बने पूरा परिवार

प्रेरणा : आओ आर्यसमाज को अपना मित्र बनाएं तथा आर्यपरिवारों के आपसी सम्बन्धों को बढ़ावा दें।

2 हमारा जीवन आर्यत्व से पूर्ण हो

प्रेरणा : हम मन से, वाणी से और कर्म से आर्य धर्म को अपनाएं।

3 आर्य परिवार-धरती पर स्वर्ग

प्रेरणा : 'स्वर्ग कामो यजेत्' की भावना से ओत-प्रोत होकर 'पंचमहायज्ञों' को जीवन में अपनाएं।

आर्यवीर दल, गुरुकुलों द्वारा व्यायाम प्रदर्शन

शारीरिक एवं मानसिक उन्नति का साधन - व्यायाम

सायं : 4:00 से 6:00 बजे

(विभिन्न प्रान्तों से पधारे आर्य वीरों एवं गुरुकुलों द्वारा आकर्षक व्यायाम कलाओं का प्रदर्शन)

पथ संचालन, सर्वांगसुन्दर व्यायाम, सूर्य नमस्कार, भूमि नमस्कार, सामूहिक तलवार, सामूहिक भाला, नियुद्धम्, तलवार विशेष, भाला विशेष, आसन स्तूप, मलखम्भ, जिम्नास्टि, डोरी मल्खम्भ, कमाण्डो, कैलोजियम - आर्य वीरांगनाओं द्वारा, कल्लरी, विभिन्न वाद्य यन्त्रों की प्रस्तुति

लेजर शो

सायं 6:30 बजे से 7:30 बजे

सृष्टि उत्पत्ति से आज तक की परिस्थितियां तथा भविष्य की दृष्टि एवं संकल्प

आर्यसमाज सेवाकार्य सम्मेलन

संसार का उपकार करना, आर्यसमाज का मुख्य उद्देश्य की मूल भावना के साथ

आयोजित : सेवा कार्य पहुंचे घर-घर तक

सायं 7:00 बजे से 9:00 बजे

1 आर्यसमाज और इसका छठा नियम

प्रेरणा : प्रत्येक आर्यसमाज में सेवा कार्य ईकाई का गठन हो व समय-समय पर सेवा कार्य किए जाएं।

2 आदिवासियों के योगक्षेम व गौरववद्धि के लिए खड़ा है आर्य समाज

प्रेरणा : प्रत्येक आर्यसमाज अपनी ओर से अ. भा. दयानन्द सेवाश्रम संघ से जुड़कर योगदान दे।

3 प्राकृतिक आपदाओं के समय बढ़ाओ हाथ-मिले आर्यसमाज का साथ

प्रेरणा : आर्यसमाज का हो संकल्प - दान, सेवा और पुरुषार्थ।

विशिष्ट भजन संध्या

रात्रि 9:00 बजे से 11:00 बजे

प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रम
25, 26, 27, 28 अक्टूबर, 2018

ध्यान एवं योग साधना-योग साधना मंच

प्रात: 5-15 बजे से 6-30 बजे तक

ध्येय - व्यक्तित्व विकास और जीवन में शान्ति के लिए योगासन एवं प्राणायाम को अपनायें

आर्य वीर दल शारवा-आर्य वीर दल मंच

प्रात: 6-30 बजे से 7-30 बजे तक

ध्येय - बालक-बालिकाओं को सुसंस्कारित करने हेतु ग्राम-ग्राम तक आर्यवीर दल की शाखा का विस्तार करें

प्रात: कालीन संध्या एवं वृहद् यज्ञ

प्रात: 7-40 बजे से प्रात: 9-15 बजे तक

ध्येय - मानव जीवन की उन्नति एवं मोक्ष प्राप्ति-पंच महायज्ञ द्वारा

भजन, आध्यात्मिक प्रवचन एवं ध्यान

(मुख्य मंच से)

प्रात: 9-15 बजे से 10-0 बजे तक

सायं कालीन वृहद् यज्ञ, संध्या एवं ध्यान

(केवल 25,26,27 अक्टूबर 2018)

सायं 4-30 बजे से 5-30 बजे तक

ध्येय - संध्योपासना से जीवन की उन्नति

पूर्णकालिक यज्ञ - लघु गुरुकुल

प्रतिदिन प्रात: 9-30 बजे से सांय 4-30 बजे तक

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के विभिन हॉल की जानकारी

H(1) बालवीर हकीकत राय सभागार बच्चों का कोना (किड्स जोन): इस हॉल में आर्य परिवारों के छोटे बच्चों के लिए आर्य समाज के इतिहास में पहली बार बनाई गई नैतिक शिक्षा की एनिमेशन मूवीज़, कॉमिक्स, खेल एवं बाल संस्कार देने की सुन्दर व्यवस्था बनाई गई है। आर्य परिवार अपने बच्चों को कुछ समय के लिए इस वातावरण में रख सकेंगे।

H(2) माता अमृतबाई सभागार मदर्स कार्नर : ३ साल से छोटे बच्चों के साथ आने वाली माताओं के लिए विशेष रूप से बनाया गया है। विशेष रूप से बच्चो की आवश्यकतापूर्ति के लिए यहां व्यवस्था की गई है।

H(3) स्वामी सत्य प्रकाश सभागार विभिन्न विषयों पर चर्चा एवं सत्ता बिन्दु प्रस्तुतिकरण (पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन) : इस हॉल में वेद में विज्ञान, वेद में उपस्थित विभिन्न विषयों जैसे-सृष्टि विज्ञान, कृषि विज्ञान, यज्ञ चिकित्सा, यज्ञ विज्ञान, पाखण्ड खण्डन, वेदों के सम्बन्ध में भ्रान्तियों का निवारण, आर्यों का आदि देश, आर्यसमाज के नियमों पर ख्याति प्राप्त विद्वानों एवं इस क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा चर्चा तथा प्रस्तुति की जाएगी।

H(4) पं. गंगाप्रसाद उपाध्याय सभागार विषयानुसार व्याख्यानमाला : इस सभागार में आर्यसमाज, वैदिक धर्म एवं विभिन्न सिद्धान्तों से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर वैदिक विद्वानों द्वारा व्याख्यानों की प्रस्तुति।

H(5) पं. गुरुदत्त विद्यार्थी सभागार प्रतिदिन विभिन्न आयु वर्गों हेतु प्रतियोगिताएं : इस हॉल में ५ वर्ष से लेकर सभी आयुवर्ग के आर्यजनों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है, जो कि अलग-अलग समय एवं वर्ग के अनुसार होगी।

H(6) आचार्य बलदेव सभागार 25 - 26 अक्टूबर : योग की सार्थकता महिलाओं/बच्चों/ अभिभावकों के लिए' विषय पर विशेष चर्चा बच्चों के लिए विशेष प्रकाशित अंग्रेजी साहित्य का परिचय

27-28 अक्टूबर : यज्ञ विज्ञान संगोष्ठी : समस्त भौतिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान का आधार वेद है। युवाओं एवं छात्रों के लिए वेदों में विज्ञान, यज्ञ पर वैज्ञानिक शोध और उनके परिणाम, यज्ञ द्वारा पर्यावरण पर प्रभाव, आर्यसमाज के सिद्धान्त एवं मान्याएं, आर्यसमाज द्वारा विश्व कल्याण के लिए किए गए कार्यक्रम इत्यादि विषयों पर चर्चा की जाएगी एवं ऑडियो विजुअल कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

H(7) विशुद्धा सभागार विश्वमार्यम् सभागार - विशुद्धा : इस हॉल में आर्य समाज की विचारधारा को विश्वव्यापी बनाने, विश्व में फैलाने, आर्य समाज के इतिहास, साहित्य को सुरक्षित रखने, विश्व भर में फैले आर्यसमाज से जुड़े महानुभावों को एक दूसरे के निकट लाने के लिए आधुनिकतम तकनीकों का इस्तेमाल करके जिन योजनाओं का निर्माण किया गया है तथा जिनका लोकार्पण इसी ऐतिहासिक महासम्मेलन में किया जाना है उनके बारे में आगन्तुक अंजनों को अलग-अलग समय में विभिन्न योजनाओं को अलग-अलग समय में विभिन्न योजनाओं को विस्तार से बताने के लिए आर्य समाज के युवा कार्यकर्ताओं द्वारा सत्ता बिन्दु प्रस्तुतिकरण (पी.पी.टी) किया जाएगा। इस हॉल में लोग स्वयं इंटरनेट का प्रयोग करके वैदिक रैफरेंस लाइब्रेरी (सन्दर्भ पुस्तकालय), अभिलेखागार, आर्य सूचना केन्द्र वैब पोर्टल एवं अन्य आकर्षक योजनाओं को स्वयं देख सकेंगे।

H(8) ब्र० राजसिंह आर्य सभागार प्रदर्शनी इस हॉल में विभिन्न विषयों को चित्रों के माध्यम से जैसे - वेद के ऐतिहासिक सन्दर्भ, महर्षि दयनन्द का जीवनवृत, नशा, शाकाहार, पशुवध, गौहत्या, आर्य समाज के दर्शनीय प्रेरक स्थल, महर्षि दयानन्द के स्मृति स्थल, विभिन्न भाषाओं के सत्यार्थ प्रकाश, डाक टिकटें, क्रान्तिकारी एवं महापुरुषों के चित्र, आदि ऐतिहासिक सन्दर्भों पर विशिष्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इसी के साथ सत्यार्थ प्रकाश के ताम्रपत्रों पर खुदे संस्करणों का भी प्रदर्शन होगा।

H(9) पं. रामचन्द्र देहलवी सभागार शंका समाधान सत्र : इस हॉल में वेद सत्यार्थ प्रकाश, यज्ञ, ईश्वर, कर्मफल, सृष्टि उत्पत्ति, दर्शन, आदि विषयों पर अलग-अलग समय पर विभिन्न उच्चकोटि के विद्वानों के सत्र होंगे, जिनमें जिज्ञासुजन अपनी शंकाओं का समाधान पा सकेंगे।

H(10) महात्मा नारायण स्वामी सभागार 25- 26 अक्टूबर : आर्ष गुरुकुल प्रणाली पर विशेष चर्चाएं
27- 28 अक्टूबर : द्वि दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

H(11) माता चन्नन देवी चिकित्सालय (Mata Channan Devi Hospital)

H(12) पं. लोकनाथ वाचस्पति सभागार विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगठनों एवं आर्यसमाज के इतिहास की सच्ची अनछुई घटनाओं का मंचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं संगीत प्रस्तुति: इस हॉल में प्रतिदिन प्रात: 10 से सायं 6 बजे तक आर्य समाज की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं को आर्य विद्यालयों, गुरुकुलों, आर्यवीर दल-वीरांगना दल, दयानन्द सेवाश्रम संघ, विभिन्न आश्रमों के बच्चों द्वारा विभिन्न विषयों पर सुन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। साथ ही इसी हॉल में अन्य कार्यक्रम भी होंगे।

H(13) अमानती घर (Cloak Room)

H(14) पं. फूलचन्द शर्मा 'निडर' सभागार
(26-27 अक्तूबर) वैवाहिक परिचय सम्मेलन
(25 एवं 28 अक्तूबर) संगीत व भजनों के निरन्तर कार्यक्रम

H(15) पं. शुक्रराज शास्त्री सभागार विभिन्न भाषाएं एवं विदेश परिचय: इस हॉल में विभिन्न देशों में उपस्थित आर्यसमाज के संगठन, गतिविधियों तथा वहां की संस्कृति का परिचय वहीं के आर्यजनों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इसी हॉल में विभिन्न भारतीय तथा विदेशी भाषाओं के विद्वान आर्यसमाज की विचारधारा को अपनी-अपनी भाषा में प्रस्तुत करेंगे।

H(16) श्री गुरु विरजानन्द सभागार ध्यान एव योग प्रशिक्षण : ध्यान एवं योग आर्यसमाज की धरोहर है। शारीरिक एवं मानसिक उन्नति के लिए विभिन्न प्रशिक्षित योगाचार्यों द्वारा ध्यान एवं योग को जीवन में अपनाने के लिए अभ्यास एवं निर्देशन किया जाएगा।

H(17) पं. आशानन्द सभागार पं. आशानन्द जी मैजिक लालटेन (मूवी हॉल) : इस हॉल में प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक विचार टी.वी. द्वारा निर्मित आर्यसमाज, महर्षि दयानन्द, विभिन्न महापुरुषों के जीवन, परिवार एवं समाजोपयोगी विषयों पर निर्मित विभिन्न वृत्तचित्रों, लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा।

H(18) पं. लेखराम सभागार लेखक मंच : इस हॉल में आर्यजगत के विभिन्न लेखकों द्वारा प्रकाशित की गई पुस्तकें, एवं शोध कार्यों पर लेखकों द्वारा अपनी-अपनी प्रस्तुति एवं परिचय दिया जाएगा। आर्य लेखकों की गोष्ठी का कार्यक्रम भी आयोजित होगा।

H(19) मोहनलाल मोहित सभागार विदेशी प्रतिनिधियों के लिए संवाद कक्ष : प्रवेश केवल विदेशी प्रतिनिधियों के लिए। इस हॉल में विदेश से आए अतिथियों में आपसी संवाद और उनके अपने-अपने देश में आर्यसमाज द्वारा किए गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

पहुंचने का मार्ग • स्वर्णजयन्ती पार्क रोहिणी, जापानी पार्क के नाम से भी प्रसिद्ध है, यह दिल्ली के उत्तरी पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है। • आप दिल्ली मैट्रो के किसी भी स्टेशन से रिठाला या रोहिणी वैस्ट का टिकट लेवें तथा उतरकर सीधा सम्मेलन स्थल पर पहुंचें। 15 मिनट का पैदल मार्ग है, ई-रिक्शा ले सकते हैं अथवा बस सेवा का लाभ उठा सकते हैं। आउटर रिंगरोड पर से आप बाहरी मुद्रिका (बस रूट) लेवें तथा मधुबन चौक अथवा, हैदरपुर जल संयन्त्र निकट पैट्रोल पम्प के स्टैण्ड पर उतरें वहां से ओटो, ई-रिक्शा अथवा बस सेवा का लाभ उठाऐं।

-: निवेदक :-

महाशय धर्मपाल	सुरेशचन्द्र आर्य	प्रकाश आर्य	धर्मपाल आर्य	विनय आर्य	विद्यामित्र ठुकराल
अध्यक्ष स्वागत समिति	प्रधान सा.आ.प्र.सभा मो. 09824072509	मंत्री सा.आ.प्र.सभा मो. 09826655117	सम्मेलन संयोजक प्रधान-दि.आ.प्र.सभा, मो. 09810061763	महामन्त्री दि.आ.प्र.सभा, मो. 09958174441	कोषाध्यक्ष दि.आ.प्र.सभा, मो. 9810072175

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1
E-mail : aryasabha@yahoo.com Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org
YouTube : thearyasamaj 9540045898

Foto Craft

विशेष नोट : कार्यक्रमों में व्यवस्था एवं आवश्यकता अनुसार परिवर्तन की सम्भवना रहेगी।

सम्मेलन में आयोजित कुछ प्रमुख कार्यक्रम एवं आकर्षण

- योगासन एवं प्राणायाम
- प्रात: एवं सायंकालीन सामूहिक संध्या एवं वृहद् यज्ञ
- अन्धविश्वास निर्मूलन पर जादूगर का विशिष्ट शो
- ताम्रपत्रों पर अंकित विश्व की एकमात्र सत्यार्थ प्रकाश का प्रदर्शन
- आर्य समाज के इतिहास/बलिदान की सच्ची घटनाओं पर आधारित नाटिकाओं का मंचन
- सस्वर वेद पाठ
- विभिन्न विषयों पर प्रदर्शनियां
- समीचीन विषयों पर विचार गोष्ठियां
- वृहद् आर्य वीर दल शाखा एवं अभिनव व्यायाम प्रदर्शन
- आर्यसमाज के ऐतिहासिक परिपेक्ष एवं भविष्य को इंगित करता लेजर शो
- मधुर एवं क्रान्तिकारी गीतों की भजन संध्या एवं विराट कवि सम्मेलन
- विभिन्न भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में वैदिक प्रवचन एवं यज्ञ
- विभिन्न देशों में फैली आर्य समाज की गतिविधियों / विरासत की जानकारी
- सभी वर्गों के लिए प्रतियोगिताएं / शंका समाधान सत्र
- आजीवन निष्ठावान कार्यकर्ताओं का सम्मान
- वेद में विज्ञान, यज्ञ विज्ञान, वैदिक कृषि, शाकाहार तथा अन्य विषयों पर कार्यशालाएं/विशेष व्याख्यान
- यज्ञ विज्ञान पर कार्यशाला

दस हजार याज्ञिकों द्वारा विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी
एक रुपीय यज्ञ

मानव कल्याण एवं विश्व शान्ति एकता यज्ञ
(हजारों प्रशिक्षित याज्ञिकों द्वारा 'एकरुप' सामूहिक यज्ञ)
(26 अक्टूबर, 2018 सायं 4 से 6 बजे)

एक रुपीय यज्ञ के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रशिक्षण / जानकारी हेतु
श्री सतीश चड्ढा 9313013123 से संपर्क करें

-: निवेदक :-

महाशय धर्मपाल	सुरेशचन्द्र आर्य	प्रकाश आर्य	धर्मपाल आर्य	विनय आर्य	विद्यामित्र ठुकराल
अध्यक्ष स्वागत समिति	प्रधान सा.आ.प्र.सभा मो. 09824072509	मंत्री सा.आ.प्र.सभा मो. 09826655117	सम्मेलन संयोजक प्रधान-दि.आ.प्र.सभा, मो. 09810061763	महामन्त्री दि.आ.प्र.सभा, मो. 09958174441	कोषाध्यक्ष दि.आ.प्र.सभा, मो. 9810072175

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1
E-mail : aryasabha@yahoo.com
Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org
YouTube : thearyasamaj 9540045898

अपील :- कार्यक्रम की सफलता हेतु "दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन - 2018" के नाम से क्रॉस चैक/बैंक ड्राफ्ट सम्मेलन कार्यालय में भेजने की कृपा करें।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली

पधारने वाले आर्य महानुभाव कृपया ध्यान दें
आधारकार्ड/पहचान पत्र की प्रति अवश्य ही साथ रखें

सम्मेलन में पधारने वाले महानुभाव के लिए सूचनार्थ है कि महासम्मेलन की सुरक्षा व्यवस्था एवं दिल्ली पुलिस के निर्देशानुसार प्रत्येक व्यक्ति महिला/पुरुष एवं बच्चों को **आधारकार्ड** साथ लाना अनिवार्य है। आपसे निवेदन है कि कृपया अपने आधार कार्ड की 2 फोटो प्रति (दोनों ओर की एक ही कागज पर) कराकर साथ रखें। एक कॉपी पर अपना नाम एवं मो. नं. साफ-साफ अक्षरों में लिखकर अपने हस्ताक्षर करके पंजीकरण काउंटर पर दें, जिससे पंजीकरण में आसानी हो। तथा दूसरी प्रति अपने पास रखें। ऐसे महानुभाव जिनके पास आधार कार्ड न हो वे अपने साथ सरकार द्वारा जारी कोई भी पहचान पत्र-वोटर कार्ड, लाइसेंस, पासपोर्ट आदि की फोटो प्रति साथ लेकर आएं।

- सम्मेलन संयोजक

महासम्मेलन में कार्यक्रमों में व्यवस्था एवं आवश्यकता अनुसार परिवर्तन की सम्भवना रहेगी। -संयोजक

महासम्मेलन में पधारने वाले आर्यजन
कृप्या अत्यावश्यक रूप से ध्यान दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 के अवसर पर यदि आप सम्मेलन स्थल मैदान में ही बनें आवासों में ठहरने की व्यवस्था चाहते हैं तो कृपया ध्यान दें -

1. सम्मेलन में प्रवेश का अधिकार आयोजकों के पास पूर्ण रूप से सुरक्षित है।

2. सम्मेलन में पधारने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। सम्मेलन स्थल पर भी पंजीकरण की सुविधा होगी।

3. सम्मेलन में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सम्मेलन स्थल के पंजीकरण कार्यालय से पहचान पत्र एवं कलाई बैज दिया जाएगा। उसे पहनना और चारों दिन अनिर्वाय रूप से धारण करना अत्यावश्यक है।

4. सम्मेलन के पहचान पत्र/कलाई बैज के बिना पाए जाने वाले व्यक्ति को सम्मेलन के किसी भी सभागार/पण्डाल/भोजनालय आदि में कहीं भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा तथा सम्मेलन स्थल से बाहर किया जा सकता है।

5. अपने आधारकार्ड/कोई भी सरकारी पहचान पत्र की फोटो प्रति एवं मूल प्रति साथ रखें। आधारकार्ड/पहचान पत्र की दोनों तरफ की फोटो प्रति मोबाईल नं. एवं हस्ताक्षर करके साथ रखें। सुरक्षा अधिकारी/सम्मेलन कार्यकर्ता के मांगे जाने पर पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य है।

6. सुरक्षा नियमों का पालन करें। कार्यकर्ताओं/सुरक्षा कर्मियों का पूर्ण सहयोग करें। व्यवस्था बनाए रखें।

7. सम्मेलन स्थल पर किसी भी प्रकार का नुकीला सामान जैसे - चाकू, छुरी, हथियार (लाइसेंसी) को बिना किसी पूर्वानुमति से नहीं रखा जा सकेगा। इसी प्रकार पटाखे, नशीले पदार्थ, गुटखा, बीड़ी, तम्बाकू उत्पाद लाना एवं प्रयोग करना पूर्णत: वर्जित है।

8. सम्मेलन के दिनों में रात्रि का मौसम हल्की ठंड वाला होगा। अत: अपने ओढ़ने एवं बिछाने के लिए सामान्य चादर या पतला कम्बल अवश्य साथ लाएं, जिससे आपको सुविधा हो।

9. अपने साथ कम से कम सामान लाएं। कीमती सामान न लाएं। अपनी सुरक्षा का स्वयं ध्यान रखें। अपने ग्रुप के अतिरिक्त सम्मेलन स्थल से बाहर किसी भी अनजान व्यक्ति से कोई खाने-पीने का सामान न लें।

10. सम्मेलन में कार्य करने वाले प्रत्येक व्यक्ति आपकी ही तरह कार्यकर्ता हैं, जोकि यहां आपकी सेवा के लिए आए हैं। इतने बड़े कार्य में कुछ भूलें होना कुछ कमियां स्वाभाविक हैं। कृपया उन कमियों, न्यूनताओं को दूर करने में सहयोगी बनें। आपके सहयोग से यह महासम्मेलन सफलतम आयोजनों में से एक हो सकता है।

7. जो महानुभाव ग्रुप में आ रहे हैं। वे अपने ग्रुप लीडर का नाम, पता, फोन नं. और ग्रुप में आने वाले सदस्यों की सूची संलग्न फार्म के अनुसार बनाकर आवास समिति के नाम सम्मेलन कार्यालय के पते पर भेजें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमल करें अथवा **श्री विपिन भल्ला जी को 9540086759 पर व्हाटसएप्प** करें। अपने ईमेल/पत्र पर **"आवास व्यवस्था हेतु"** अवश्य लिखें ताकि आपके लिए आवास एवं ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था की जा सके।

जो व्यक्ति एक साथ, एक ही साधन से एक ही समय पर पहुंच रहे हैं, उसे ही ग्रुप कहा जाएगा। अत: यदि आप एक ही संस्था/आर्यसमाज के सदस्य होने पर भी अलग-अलग समय/साधन से आ रहे हैं तो उसके लिए पृथक से ग्रुप लीडर बनाएं और उसी के हिसाब से पधारने वाले सज्जनों की सूची भेजें।

- संयोजक, आवास

आवास/ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था हेतु सूचना का प्रारुप

1. ग्रुप लीडर का नाम : .....
2. मोबाईल नं. : .....
3. स्थान : .....
4. राज्य ....
5. व्यक्तियों की संख्या .....
6. ट्रेन नं. एवं नाम .....
7. आगमन स्थान : .....
8. आगमन की तिथि एवं समय: .....
9. स्टेशन से वापसी : .....
10. वापसी की तिथि एवं समय : .....
11. वापसी ट्रेन नं. एवं नाम : .....

दिनांक : ..... हस्ताक्षर

रेल यात्रा से पधारने वाले आर्यजनों के लिए
ट्रांस्पोर्ट (यातयात) व्यवस्था : कृपया ध्यान दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 के अवसर पर दिल्ली पधार रहे समस्त आर्यजनों की सुविधा हेतु सूचित किया जाता है कि महासम्मेलन आयोजन समिति की ओर से **ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था** केवल **24 अक्तूबर की प्रात: से 25 अक्तूबर देर रात्रि तक** केवल और केवल दिल्ली के **प्रमुख रेलवे स्टेशनों - नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनन्द विहार, सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशनों** से ही यात्रियों को महासम्मेलन स्थल - **"स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै. 10, रोहिणी दिल्ली-85"** तक पहुंचाने के लिए उपलब्ध होगी। आप कहां से, कब, कितने बजे किस स्टेशन पर पहुंच रहे हैं इसकी सूचना अपने ग्रुप लीडर के माध्यम से ग्रुप लीडर के नाम, पते, फोन नं. और ग्रुप में आने वाले सदस्यों की सूची बनाकर सम्मेलन कार्यालय के पते पर भेजें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमल करें। अथवा **श्री विपिन भल्ला जी को 9540086759 पर व्हाटसएप्प** करें। सूचना देने के लिए फार्म नीचे दिया गया है

अपने ईमेल/पत्र पर **"आवास एवं ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था हेतु"** अवश्य लिखें ताकि आपके लिए आवास एवं ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था की जा सके। **वापसी में** भी इसी प्रकार **केवल 28 अक्तूबर की प्रात: से देर रात्रि तक** सम्मेलन स्थल से रेलवे स्टेशनों तक ही ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था उपलब्ध होगी। आर्यजन इस सेवा का लाभ उठावें।

कृपया नोट करें - दिल्ली के बस अड्डों से यात्रियों के लाने-ले जाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। बसों से आने वाले आर्यजन दिल्ली मैट्रो सुविधा का प्रयोग करें।

टांस्पोर्ट हेतु इन साधनों का भी प्रयोग कर सकते हैं

दिल्ली मैट्रो : सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों - नई दिल्ली/पुरानी दिल्ली/आनन्द विहार/सराय रोहिल्ला एवं अन्तर्राज्यीय बसअड्डे कश्मीरी गेट, आनन्द विहार पर मैट्रो सुविधा उपलब्ध है। आप अपने निकटतम मैट्रो स्टेशन से रोहिणी वैस्ट का टोकन लेकर सम्मेलन स्थल पहुंचें। निजामुददीन रेलवे स्टेशन या सराय कालेखां बस अड्डे पहुंचने वाले आर्यजन वहां से प्रगति मैदान मैट्रो स्टेशन पहुंचकर सम्मेलन स्थल पहुंच सकते हैं। (मैट्रो में अधिकतम किराया 60/- है)

ओला/उबर कैब : अपने स्मार्ट फोन में OLA App या UBER App डाउनलोड करें। अपनी लोकेशन सैट करें और कार बुक करके सम्मेलन स्थल पहुंचें अधिकतम 4 लोगों के लिए बिल अनुसार किराया उचित।

ओटो : रेलवे स्टेशन/बस अड्डे से कोई भी ओटो लेकर सम्मेलन स्थल पहुंचे।

प्रीपेड टैक्सी : किसी भी रेलवे स्टेशन/बस अड्डे से प्री-पेड टैक्सी/ओटो लेकर भी उचित किराये के साथ सम्मेलन स्थल पहुंचा जा सकता है। (अधिकतम चार लोग)

- संयोजक, यातायात समिति

ठहरने के लिए क्या आप 'होटल' चाहते हैं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आप की भागीदारी महत्त्वपूर्ण है। आप सभी का सहर्ष स्वागत है। आप इस अवसर पर अधिकाधिक संख्या में आएँ और अन्यों को इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर यदि आप ठहरने के लिए होटल में आवास सुविधा चाहते हैं तो संयोजक समिति द्वारा कुछ होटलों में सशुल्क आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। सामान्य होटल में मैट्रो के निकट, रोहिणी क्षेत्र में 2 स्टार ओयो रुम सम्मेलन स्थल से 2 किमी क्षेत्र में तथा 3 स्टार होटल सम्मेलन स्थल से 3-4 किमी की दूरी पर हैं। होटल शुल्क (सभी करों सहित) इस प्रकार है-

सामान्य होटल : 1500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

2 स्टार ओयो रुम : 2000/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

3 स्टार (विद ब्रेक फास्ट) : 3500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

यदि आप कमरे में तीसरे बैड की व्यवस्था चाहते हैं तो अतिरिक्त शुल्क पर बैड उपलब्ध हो सकेंगे। उसके लिएग आप स्वयं होटल में बात कर लें। अनुमानित रूप से तीसरे बैड के लिए सामान्य होटल में 300/-, 2स्टार में 500/- तथा 3 स्टार में 800/- रुपये में देय होंगे। अतिरिक्त बैड की ये दरें अनुमानित हैं। इसके लिए आप स्वयं अपने आबंटित होटल में पहुंचकर बात करें।

सभी होटल पूर्णत: ए.सी., अटैच टॉयलेट और आवश्यक सुविधाओं से युक्त हैं। यदि आप सुविधा का लाभ उठाना चाहते है तो देय राशि का बैंक ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन-2018"** के नाम बनाकर अपने नाम, पता एवं दूरभाष सहित पूर्ण विवरण पत्र द्वारा सम्मेलन कार्यालय को भेजें।

नोट : आप स्वयं भी रोहिणी, पीतमपुरा, शालीमार बाग एवं आस-पास के क्षेत्रों में धर्मशाला/होटला ओयो रुम विभिन्न बैवसाइटों के माध्यम से बुक करा सकते हैं आप द्वारा स्वयं बुक कराने से सम्भव है कुछ कम राशि में बुकिंग हो सके।

- संयोजक, आवास समिति

सोमवार 8 अक्तूबर, 2018 से रविवार 14 अक्तूबर, 2018
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2018-19-2020
नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 11-12 अक्तूबर, 2018
पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018-19-2020
आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 10 अक्तूबर, 2018

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-26-27-28 अक्टूबर, 2018

स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै. 10, रोहिणी, दिल्ली - 110085

दिल खोलकर सहयोग करें

प्रतिष्ठा में,

नई दिल्ली के स्वर्णजयन्त पार्क (जापानी पार्क) रोहिणी सै. 10 में 25 से 28 अक्टूबर-2018 में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन अपने आप में बहुत बड़ा सम्मेलन होगा। इस महासम्मेलन में दुनिया के 32 देशों से 5000 से अधिक आर्य प्रतिनिधियों के साथ सम्पूर्ण देश से 2 लाख से अधिक आर्य जनों के इसमें पहुँचेंगें। महासम्मेलन में आने वाले प्रत्येक आर्य के लिए सभी व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं के लिए आप सबका आर्थिक सहयोग सादर अपेक्षित है। सभी आर्यजनों, आर्य संस्थाओं, आर्य समूहों, प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं और आर्य महिला सभाओं/ संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी सहयोग राशि चैक/बैंक ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन - 2018"** के नाम बनाकर भेजने की कृपा करें। यह सम्मेलन आप का है और आप के सहयोग से ही यह हर प्रकार से अद्वितीय बन सकता है। कृपया अपनी सहयोग राशि **'संयोजक'** के नाम **'अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन,15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001'** के पते पर भेजें। **दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया समस्त दान आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर छूट प्राप्त है।**

दानी महानुभाव अपनी दान/सहयोग राशि सीधे महासम्मेलन के बैंक खाते में भी जमा कर सकते हैं। बैंक खाते का विवरण इस प्रकार है -

"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन - 2018"

State Bank of India	Axis Bank	ICICI Bank
A/c No. 37815923237	A/c No. 918010068587610	A/c No. 663701700794
IFSC Code : SBIN0001639	IFSC Code : UTIB0002193	IFSC Code : ICIC0006637

कृपया अपनी दानराशि जमा कराते ही अपनी डिपोजिट स्लिप अपने नाम, पते एवं मो. नं. के साथ तत्काल रूप से श्री अशोक कुमार जी (9540040322) अथवा श्री मनोज नेगी जी (9540040388) को व्हाट्सएप्प कर दें, जिससे आपको राशि की रसीद भेजी जा सके।

- ***सम्मेलन संयोजक***

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018

नवीनतम सूचनाओं व जानकारियों हेतु जुड़ें व्हाट्सएप्प पर और साझा करें विचार

पृष्ठ 3 का शेष

दोनों दृष्टियों से आर्य समाज की शक्ति का प्रदर्शन करते हैं तो पता चलता है कि आर्य समाज केवल वृद्धों की संस्था नहीं यहां युवाशक्ति को भी विधिवत् प्रशिक्षित किया जा रहा है।

ऐसे ही अनेक बिन्दु और हो सकते हैं जिनकी भी चर्चा की जा सकती है परन्तु अभी इतनी चर्चा करके पाठकों से अनुरोध करना चाहूंगा कि हम आप सभी सुधार व संसार को श्रेष्ठ (आर्य) बनाने का संकल्प लेकर चले जिसमें सभी कार्य महत्त्वपूर्ण हैं- स्वाध्याय, यज्ञ, सत्संग, वेद प्रचार कार्यक्रम शास्त्रार्थ एवं सम्मेलन आदि। अत: ये अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन भी उसी का महत्त्वपूर्ण अंग है। आप स्वयं विचार करें कि- आपकी उपस्थिति परस्पर उत्साह को बढ़ाने वाली होगी, आयोजक भी आप ही हैं।

'कृण्वन्तों विश्वमार्यम'।

-विनय विद्यालंकार
प्रधान, आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखंड

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित
सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह